भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5815
जिसका उत्तर मंगलवार 03 अप्रैल, 2018 को दिया जाना है

हानि में चल रहे भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड

5815. श्री राधेश्याम बिश्वास:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल) और उसकी सहायक कंपनियों सहित कुछ भारी उद्योग घाटे में चल रहे हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का बीबीयूएनएल सहित कुछ और उद्योगों के पुनरुद्धार या बंद करने का कोई प्रस्ताव है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) ऐसे उद्योगों के कब तक बंद होने या इनके पुनरुद्धार की संभावना है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): क्योंकि उद्योग राज्य का विषय है इसलिए भारी उद्योग विभाग द्वारा घाटे में चल रहे उद्योगों से संबंधित कोई केन्द्रीकृत आंकड़ा नहीं रखे जाते हैं। भारी उद्योग विभाग की भूमिका केवल उन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के प्रशासन तक ही सीमित है जो इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन हैं। यह एक तथ्य है कि भारी उद्योग विभाग के अंतर्गत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ उद्यम घाटे में चल रहे हैं और ऐसे केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का ब्यौरा सार्वजनिक उद्यम सर्वेक्षण 2016-17 में उपलब्ध है, जिसे 13 मार्च, 2018 को संसद में रखा गया है। हालांकि भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल), भारी उद्योग विभाग के अधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का एक उद्यम है, जो लाभ में चल रहा है और इसकी एक अनुषंगी नामतः ब्रेथवेट, बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे) है। तथापि, बीबीजे का विलय दिनांक 10 जुलाई, 2015 को बीबीयूएनएल के साथ किया गया और नई इकाई को दिनांक 18 नवंबर, 2015 से ब्रेथवेट, बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे) के रूप में नामित किया गया।

(ग): जी नहीं ।

(ङ) और(घ): प्रश्न नहीं उठता।

******